दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 17.11.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 17.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल कैंपस स्टूडेंट एंबेसडर प्रोग्राम के तहत विषय 'पाइथन और मशीन लर्निंग के माध्यम से नवाचार को सशक्त बनाना' पर दो दिवसीय सेमिनार के प्रथम दिन ओम नाथ, सीनियर डेवलपिंग ट्रेनर, एन.आई.आई.टी ने विद्यार्थियों को प्रायोगिक जानकारी देते हुए बताया कि आज के डिजिटल युग में पाइथन और मशीन लर्निंग नवाचार की रीढ़ बनते जा रहे हैं। सरल सिंटैक्स, विशाल लाइब्रेरी सपोर्ट और उच्च स्तर की डेटा एनालिटिक्स क्षमता के कारण पाइथन मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए सबसे पसंदीदा भाषा है। मशीन लर्निंग के माध्यम से मशीनों को सीखने, पैटर्न पहचानने और पूर्वानुमान लगाने की क्षमता मिलती है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, वित्त, साइबर सुरक्षा और ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। यह संयोजन न केवल तकनीक को अधिक स्मार्ट बनाता है, बल्कि इसे अधिक सुलभ और व्यवहारिक भी बनाता है, जिससे युवा शोधकर्ताओं, छात्रों और उद्यमियों को नए समाधान विकसित करने की शक्ति मिलती है।

ओम जी ने प्रायोगिक रूप से समझाते हुए बताया कि पाइथन और मशीन लर्निंग का उपयोग वास्तविक समस्याओं के समाधान में किया जाता है, जैसे डेटा प्री–प्रोसेसिंग, मॉडल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग, टेस्टिंग और डिप्लॉयमेंट। पाइथन की लाइब्रेरीज़ जैसे नम्पी, पाण्डास, स्किट लर्न, टेंसरफ्लो और मैटप्लॉटलिब, सीखने वालों को डेटा को समझने, मॉडल बनाने और परिणामों को विजुअलाइज़ करने में सहज बनाती हैं। व्यावहारिक अभ्यास जैसे चौटबॉट विकास, फेस रिकॉग्निशन, प्रिडिक्शन मॉडल, हेल्थ रिपोर्ट एनालिसिस, ई–कॉमर्स रिकमेंडेशन सिस्टम आदि, प्रतिभागियों को न केवल तकनीक सीखने में बल्कि उसे उपयोग में लाने में भी सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार पाइथन और मशीन लर्निंग न केवल एक प्रशिक्षण विषय है, बल्कि नवाचार को वास्तविक समाधान में बदलने का शक्तिशाली माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि ई पीयूष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुर्बताया की बायोडेटा बनाते समय उसे प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए सबसे पहले उसकी संरचना स्पष्ट, व्यवस्थित और प्रोफेशनल होनी चाहिए। जानकारी हमेशा नवीनतम, सटीक और नौकरी की आवश्यकता के अनुसार होनी चाहिए, इसलिए अनावश्यक विवरण या बहुत लंबी जानकारी से बचें। अपनी क्षमताओं, उपलब्धियों और अनुभवों को बुलेट पॉइंट्स में लिखें ताकि पढ़ने वाले को मुख्य बातें तुरंत समझ में आ जाएं। भाषा सरल, औपचारिक और व्याकरण की त्रुटियों से मुक्त होनी चाहिए। अपने कौशल, तकनीकी जानकारी, प्रमाणपत्र, इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट्स और मजबूत बिंदुओं को इस प्रकार प्रस्तुत करें कि वे आपकी क्षमता को दर्शाएं। साथ ही, ईमेल आईडी और संपर्क नंबर पेशेवर शैली में लिखें। अंत में, बायोडेटा की डिजाइन सादगी, एकरूपता और उचित स्पेसिंग के साथ होनी चाहिए ताकि वह पढ़ने में आकर्षक लगे और इंटरव्यूअर पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़े।

कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन कुमार पाण्डेय, प्रभारी कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं मेंटर गूगल कैंपस एम्बेसडर ने किया। इस अवसर पर बीसीए की छात्रा एवं गूगल एंबेसडर सृष्टि त्रिपाठी ने विषय प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को गूगल कैंपस एंबेसडर बनने की प्रक्रिया के बारे में समझाया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने इस कार्यक्रम हेतु बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय निरंतर एकेडमिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। महाविद्यालय की छात्रा का गूगल आवेदन के रूप में चयन इसकी पुष्टि करता है। आभार ज्ञापन डॉ अविनाश श्रीवास्तव,बालाजी एकेडमी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ अनुराधा सिंह, डॉ मुदित दुबे, लक्ष्मण थापा, गीता थापा, बालाजी एकेडमी के विनीत पाण्डेय सहित बीसीए एवं बीएससी कंप्यूटर विज्ञान पंचम सेमेस्टर के 195 विद्यार्थी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क